STUDYHUB.NET.IN

राजस्थान में वित्तीय एवं औद्योगिक संगठन

RIICO, RFC, RAJSICO एवं RUDA का विस्तृत एवं प्रामाणिक विश्लेषण

प्रस्तावना — राजस्थान का औद्योगिक परिदृश्य

राजस्थान, भारत का सबसे बड़ा राज्य (क्षेत्रफल की दृष्टि से), अपनी विषम भौगोलिक परिस्थितियों — मरुस्थल, पहाड़ और अर्ध-शुष्क मैदानों — के बावजूद पिछले कुछ दशकों में औद्योगिक एवं वित्तीय दृष्टि से एक सशक्त राज्य के रूप में उभरा है।

राज्य की अर्थव्यवस्था को संगठित एवं प्रगतिशील दिशा देने के लिए सरकार ने विशिष्ट संस्थागत ढाँचे का निर्माण किया है। इन संस्थाओं ने न केवल बड़े उद्योगों को आधारभूत सुविधाएं दी हैं, बल्कि ग्रामीण दस्तकारों से लेकर तकनीकी उद्यमियों तक को वित्तीय एवं तकनीकी सहयोग प्रदान किया है।

राज्य के चार प्रमुख वित्तीय एवं औद्योगिक संगठन हैं:

- **RIICO (रिको)** — आधारभूत अवसंरचना और औद्योगिक क्षेत्र विकास
- **RFC (आरएफसी)** — MSMEs को दीर्घकालीन वित्तीय सहायता
- **RAJSICO (राजसीको)** — लघु उद्योगों का विपणन एवं संरक्षण
- **RUDA (रूडा)** — ग्रामीण गैर-कृषि रोजगार का विकास

🏗️ 1. राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास एवं विनियोजन निगम (RIICO — रिको)

📋 परिचय एवं ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

- **पूरा नाम:** Rajasthan State Industrial Development and Investment Corporation
- **स्थापना:** 28 मार्च, 1969
- **मूल नाम:** जब इसकी स्थापना हुई तब इसे 'राजस्थान उद्योग व खनिज विकास निगम' (RIMDC) कहा जाता था। वर्ष 1979 में खनिज विभाग को इससे अलग कर दिया गया, और जनवरी 1980 से यह संस्था 'RIICO — रिको' के नाम से एक स्वतंत्र इकाई के रूप में कार्यरत हुई।
- **मुख्यालय:** उद्योग भवन, जयपुर
- **प्रकृति:** राज्य में औद्योगीकरण को बढ़ावा देने वाली शीर्ष संस्था (Apex Body)

> 💡 **परीक्षा ट्रिक:** रिको की स्थापना = 28 मार्च 1969, 'रिको' नाम = 1980 से। परीक्षा में दोनों तिथियाँ पूछी जाती हैं।

⚙️ RIICO के प्रमुख कार्य एवं भूमिका

RIICO केवल एक वित्तीय संस्थान नहीं है — यह एक विकासात्मक एजेंसी (Development Agency) है जो औद्योगिक क्षेत्रों की स्थापना से लेकर उनके रखरखाव और निवेशकों की सुविधा तक सम्पूर्ण जीवनचक्र में भूमिका निभाती है।

- **(i) औद्योगिक क्षेत्रों का सृजन एवं विकास:** राज्य के विभिन्न जिलों में भूमि अवाप्ति (Land Acquisition) करके औद्योगिक क्षेत्रों (Industrial Areas/Estates) की स्थापना करना। इन क्षेत्रों में Plot / Shed का आवंटन उद्यमियों को किया जाता है।

- **(ii) आधारभूत अवसंरचना (Infrastructure) का निर्माण:** औद्योगिक क्षेत्रों में सड़क, बिजली (HT/LT Lines), पानी, ड्रेनेज, स्ट्रीट लाइट जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाना।
- **(iii) तकनीकी एवं वित्तीय परामर्श:** निवेशकों के लिए प्रोजेक्ट रिपोर्ट, तकनीकी व्यवहार्यता रिपोर्ट (Feasibility Report) और DPR (Detailed Project Report) तैयार करने में सहायता।
- **(iv) सामाजिक बुनियादी ढाँचा:** औद्योगिक क्षेत्रों में केवल कारखाने ही नहीं, बल्कि आवासीय कॉलोनियाँ, स्कूल, पार्क और अस्पताल भी विकसित किए जाते हैं।
- **(v) वित्तीय सहायता:** राजस्थान के लघु, मध्यम एवं वृहद उद्यमियों को टर्म लोन (Term Loan) उपलब्ध करवाना तथा इक्विटी भागीदारी (Equity Participation) के रूप में निवेश करना।
- **(vi) एकल खिड़की सुविधा:** नए उद्योग लगाने के इच्छुक निवेशकों को सभी सरकारी अनुमतियाँ एक ही स्थान पर उपलब्ध करवाना — "Invest Rajasthan" पोर्टल के माध्यम से।

📊 RIICO — नवीनतम आँकड़े (June 2026 Update)

विवरण	आँकड़ा
कुल विकसित औद्योगिक क्षेत्र	446 (वित्त वर्ष 2025-26 में 21 नए क्षेत्र जोड़े गए)
कुल भूमि क्षेत्र	~1,02,723 एकड़
कार्यरत औद्योगिक इकाइयाँ	42,344 से अधिक
जापानीज़ ज़ोन	नीमराणा (अलवर) — जापानी कंपनियों हेतु विशेष क्षेत्र
Industrial Park Promotion Policy	मार्च 2026 में लॉन्च

> 🔴 **June 2026 अपडेट:** वित्त वर्ष 2025-26 में RIICO ने 21 नए औद्योगिक क्षेत्र विकसित किए, जिससे कुल संख्या 446 हो गई। इससे पहले यह संख्या 415 थी।

🏷️ RIICO की विशेष परियोजनाएं

- **(a) जापानीज़ ज़ोन — नीमराणा (अलवर):** देश में अपनी तरह का पहला जापानी इन्वेस्टमेंट ज़ोन। यहाँ Honda Motorcycles, Daikin, Minda Industries जैसी बड़ी जापानी कंपनियाँ स्थापित हैं। इसका विकास RIICO ने जापान एक्सटर्नल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन (JETRO) के साथ मिलकर किया।
- **(b) विशेष आर्थिक क्षेत्र (SEZ):** RIICO ने सीतापुरा (जयपुर), बोरानाडा (जोधपुर), नागौर, आदि में IT/Textile/Handicraft SEZ विकसित किए हैं।
- **(c) Industrial Park Promotion Policy — 2026:** मार्च 2026 में लॉन्च की गई इस नीति के तहत PPP मॉडल पर World-Class Industrial Parks विकसित किए जाएंगे।

💳 2. राजस्थान वित्त निगम (RFC — Rajasthan Financial Corporation)

📋 परिचय एवं स्थापना

- **पूरा नाम:** Rajasthan Financial Corporation
- **स्थापना:** 17 जनवरी, 1955 (राज्य वित्त निगम अधिनियम, 1951 के तहत)

- **मुख्यालय:** जयपुर
- **स्वभाव:** राज्य में अति लघु, लघु एवं मध्यम उद्योगों (MSMEs) के लिए दीर्घकालीन वित्तीय सहायता का प्रमुख सरकारी स्रोत।

> 💡 **परीक्षा ट्रिक:** RFC की स्थापना = 17 जनवरी 1955। यह राज्य वित्त निगम अधिनियम, 1951 के तहत स्थापित हुई — अधिनियम का साल और स्थापना का साल अलग-अलग हैं।

⚙️ RFC के प्रमुख कार्य

RFC का मुख्य कार्य नए उद्योगों की स्थापना, विद्यमान उद्योगों के विस्तार एवं नवीनीकरण (Expansion & Modernization) के लिए दीर्घकालीन ऋण उपलब्ध करवाना है। यह मुख्यतः अचल संपत्तियों (Fixed Assets) के निर्माण हेतु ऋण देती है।

ऋण की प्रमुख विशेषताएं (June 2026 तक):

- RIICO allotted land पर स्थापित इकाइयों को: ₹5 करोड़ तक ऋण
- किराये के भवन में चलने वाली इकाइयों को: ₹50 लाख तक ऋण
- ब्याज दर: 9.75% से 11.50% प्रति वर्ष (श्रेणी अनुसार)
- पुनर्भुगतान अवधि: 3 से 10 वर्ष
- RFC का FY 2025-26 का ऋण वितरण लक्ष्य: ₹200 करोड़
- RIICO ने RFC की पूंजी में ₹50 करोड़ का इन्जेक्शन दिया।

📌 RFC की प्रमुख योजनाएं — विस्तृत विवरण

- **(i) 🪖 सैम फैक्स योजना (SEMFEX): Semi-Military Forces Ex-Servicemen Scheme**। लक्षित वर्ग भूतपूर्व सैनिक और अर्ध-सैनिक बलों से सेवानिवृत्त कार्मिक हैं। उद्देश्य सेवानिवृत्ति के बाद उन्हें स्वरोजगार से जोड़ना तथा रियायती ब्याज दरों पर ऋण और इक्विटी सहायता देना है।
- **(ii) 🎓 टेक्नोक्रेट स्कीम (Technocrat Scheme):** तकनीकी शिक्षा प्राप्त युवा (जैसे B.Tech, MBBS, MBA, B.Pharmacy आदि) पात्र हैं। उद्देश्य युवाओं को Job-Seeker से Job-Creator बनाना है। इसमें बिना किसी Collateral Security (जमानत) के भी ऋण का प्रावधान है।
- **(iii) 👩 महिला उद्यम निधि (Mahila Udyam Nidhi):** उद्देश्य महिला उद्यमिता को प्रोत्साहन देना है। इसके तहत महिलाओं द्वारा संचालित इकाइयों को कम ब्याज दर और उदार शर्तों पर ऋण देकर आत्मनिर्भर बनाया जाता है।

> 💡 **परीक्षा दृष्टि:** महिला उद्यम निधि का सम्बन्ध RFC से है, न कि RIICO या RAJSICO से — यह भ्रम अक्सर होता है।

- **(iv) 🧵 शिल्प बाड़ी योजना (Shilp Badi Scheme):** राज्य के शिल्पकारों और दस्तकारों को उनके हुनर को व्यावसायिक उद्यम में बदलने के लिए आर्थिक सहायता दी जाती है।
- **(v) 🔧 कम्पोजिट कर्ज स्कीम (Composite Loan Scheme):** कारीगरों एवं दस्तकारों को कार्यशील पूंजी (Working Capital) और सावधि ऋण (Term Loan) दोनों एक साथ एक ही संस्था से उपलब्ध करवाना ताकि अलग-अलग बैंकों के चक्कर से मुक्ति मिले।

📊 RFC — त्वरित तथ्य सारणी

विवरण	तथ्य / जानकारी
स्थापना	17 जनवरी 1955
अधिनियम	राज्य वित्त निगम अधिनियम, 1951
मुख्यालय	जयपुर
अधिकतम ऋण (RIICO plot पर)	₹5 करोड़
FY26 ऋण लक्ष्य	₹200 करोड़
RIICO द्वारा पूंजी इन्जेक्शन	₹50 करोड़
प्रमुख योजनाएं	SEMFEX, Technocrat, महिला उद्यम निधि, शिल्प बाड़ी, Composite Loan

🏪 3. राजस्थान लघु उद्योग निगम (RAJSICO — राजसीको)

📋 परिचय एवं स्थापना

- **पूरा नाम:** The Rajasthan Small Industries Corporation Ltd.
- **स्थापना:** जून, 1961 (कंपनी अधिनियम के तहत एक पब्लिक लिमिटेड कंपनी के रूप में)
- **मुख्यालय:** जयपुर
- **ब्रांड नाम: 'राजस्थली' (Rajasthali)** — राजसीको अपने उत्पादों का विपणन इसी ब्रांड नाम से करती है। इसके एम्पोरियम जयपुर, उदयपुर, दिल्ली आदि में संचालित हैं।

⚙️ RAJSICO के प्रमुख कार्य

- **(i) लघु इकाइयों का संरक्षण एवं विकास:** राजस्थान के लघु, कुटीर, खादी एवं ग्रामीण उद्यमियों, दस्तकारों एवं कारीगरों को सरंक्षण देना।
- **(ii) कच्चे माल की आपूर्ति (Raw Material Supply):** लघु उद्योगों को उचित मूल्य पर लोहा, इस्पात, कोयला और पॉलिमर जैसे प्रमुख कच्चे माल उपलब्ध करवाना।
- **(iii) विपणन सहायता (Marketing Support):** कारीगरों द्वारा उत्पादित वस्तुओं को 'राजस्थली' एम्पोरियम के माध्यम से देश-विदेश में बेचना।
- **(iv) प्रशिक्षण केंद्र:** हस्तशिल्पियों के लिए परीक्षण व प्रशिक्षण केंद्र चलाना तथा नई तकनीक एवं डिजाइन का प्रशिक्षण देना।
- **(v) 🚢 शुष्क बंदरगाह — ICD (Inland Container Depot):** राज्य से निर्यात को बढ़ावा देने के लिए राजसीको निम्नलिखित स्थानों पर ICD (Inland Container Depot) / Dry Port का संचालन करती है:

ICD / Dry Port संचालन स्थान:

स्थान	उपलब्ध सुविधा
जयपुर	ICD + Air Cargo Complex
जोधपुर	ICD
भीलवाड़ा	ICD

🔑 **परीक्षा प्रश्न:** "राजस्थान में शुष्क बंदरगाह (Dry Port) किस संस्था द्वारा संचालित हैं?" — उत्तर: **RAJSICO**

🌾 4. ग्रामीण गैर-कृषि विकास अभिकरण (RUDA — रूडा)

📋 परिचय एवं स्थापना

- **पूरा नाम:** Rural Non-Farm Development Agency
- **स्थापना:** नवंबर, 1995 (सोसायटी पंजीकरण अधिनियम के तहत एक स्वतंत्र संस्था/Society के रूप में)
- **मुख्यालय:** जयपुर
- **आदर्श वाक्य:** "ग्रामीण औद्योगीकरण के माध्यम से ग्रामीण समृद्धि"

* महत्वपूर्ण अंतर: *RUDA* एक *Society* है (कंपनी या निगम नहीं) — यह परीक्षा में भ्रम का विषय रहता है।

🎯 RUDA का मुख्य उद्देश्य एवं दृष्टिकोण

RUDA की स्थापना का मूल उद्देश्य कृषि पर निर्भरता कम करना और ग्रामीण क्षेत्रों में वैकल्पिक आजीविका के अवसर पैदा करना है। यह संस्था **"क्लस्टर आधारित दृष्टिकोण" (Cluster Based Approach)** पर कार्य करती है। इसका अर्थ है एक ही भौगोलिक क्षेत्र में एक ही प्रकार के उत्पाद बनाने वाले कारीगरों को एकत्रित करके उन्हें सामूहिक शक्ति, तकनीक और बाजार उपलब्ध करवाना।

⚙️ RUDA के प्रमुख कार्यक्षेत्र (Three Core Sub-Sectors)

- **(i) 👞 चमड़ा (Leather Sector):** मोजड़ी (Rajasthani traditional footwear) और चमड़े के अन्य उत्पादों के कारीगरों को आधुनिक तकनीक और बाजार से जोड़ना।
- **(ii) 🐑 ऊन (Wool Sector):** ग्रामीण क्षेत्रों में ऊनी वस्त्र, कालीन और गलीचा निर्माण को बढ़ावा देना। पश्चिमी राजस्थान के चरवाहा समुदायों को इससे जोड़ा जाता है।
- **(iii) ⛏️ लघु खनिज (Minor Minerals Sector):** पत्थर की नक्काशी (Stone Carving), सिरेमिक और पॉटरी (जैसे ब्लू पॉटरी, टेराकोटा) उद्योगों का विकास करना।

🌟 RUDA की विशेष उपलब्धियाँ

उपलब्धि	विवरण
तकनीकी उन्नयन	ग्रामीण दस्तकारों को आधुनिक उपकरण और तकनीक प्रदान करना।
डिजाइन विकास	राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय बाजार हेतु उत्पाद डिजाइन तैयार करना।
GI Tag सहयोग	बगरू प्रिंट, ब्लू पॉटरी, कोटा डोरिया को भौगोलिक संकेतक (GI Tag) दिलाने में सहयोग।
मेले एवं प्रदर्शनियाँ	राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय Trade Fairs में दस्तकारों की भागीदारी सुनिश्चित करना।

📊 चारों संस्थाओं की तुलनात्मक सारणी (Quick Comparison Table)

संस्था	स्थापना	प्रकार	मुख्य फोकस	विशेष पहचान
RIICO	1969 (नाम: 1980)	निगम	औद्योगिक क्षेत्र निर्माण	446 औद्योगिक क्षेत्र, नीमराणा जापानी ज़ोन
RFC	17 जनवरी 1955	निगम	MSME ऋण वितरण	SEMFEX, Technocrat, महिला उद्यम निधि
RAJSICO	जून 1961	पब्लिक लिमिटेड	लघु उद्योग विपणन	राजस्थली ब्रांड, ICD / Dry Port संचालन
RUDA	नवंबर 1995	सोसायटी	ग्रामीण गैर-कृषि विकास	Cluster Approach, उपक्षेत्र विकास, GI Tag

🏆 निष्कर्ष — राजस्थान का औद्योगिक इकोसिस्टम

उपरोक्त चारों संस्थाएं मिलकर राजस्थान के औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र (Industrial Ecosystem) के चार सुदृढ़ स्तंभ का निर्माण करती हैं: **RIICO** आधारभूत ढाँचा तैयार करता है, **RFC** उद्यमियों को वित्त उपलब्ध करवाता है, **RAJSICO** उत्पादों का विपणन एवं निर्यात सुनिश्चित करता है, और **RUDA** ग्रामीण दस्तकारों की आजीविका सुनिश्चित करता है।

नियमावली: विगत वर्षों के प्रश्न (PYQs)

Q1. राजस्थान में 'रिको' (RIICO) की स्थापना किस वर्ष हुई थी? (RAS Pre)
उत्तर: 1969 (28 मार्च 1969 को RIMDC के रूप में, रिको नाम 1980 से लागू हुआ)

Q2. राजस्थान वित्त निगम (RFC) की स्थापना किस अधिनियम के तहत हुई?
उत्तर: राज्य वित्त निगम अधिनियम, 1951 (स्थापना 17 जनवरी 1955 को हुई)

Q3. RAJSICO अपने उत्पादों का विपणन किस ब्रांड नाम से करती है?
उत्तर: राजस्थली (Rajasthali)

Q4. राजस्थान में Inland Container Depot (ICD/Dry Port) कौन संचालित करती है?
उत्तर: RAJSICO (जयपुर, जोधपुर, भीलवाड़ा में संचालित)

Q5. RUDA किस दृष्टिकोण (Approach) पर कार्य करती है?
उत्तर: क्लस्टर आधारित दृष्टिकोण (Cluster Based Approach)

🗝️ स्मरणीय संकेत (Memory Tricks for Exam)

- "रिको उनसठ में आया" → **RIICO: 1969**
- "आरएफसी पचपन में बनी" → **RFC: 1955**
- "राजसीको इकसठ में आई" → **RAJSICO: 1961**
- "रूडा पचानवे में बनी" → **RUDA: 1995**
- "राजस्थान की थाली — राजसीको" → **राजस्थली ब्रांड = RAJSICO**
- "रूडा — गाँव वाली, GI Tag वाली" → **GI Tag + Cluster = RUDA**